SYLLABUS

LECTURER (SCHOOL EDUCATION)
PAPER – II
COMMERCE

भाग - I वरिष्ठ माध्यमिक स्तर

- बहीखाता पद्धति के सिद्धांत।
- सहायक बहीखाते, अंतिम खाते, समायोजन प्रविष्टियाँ, आरंभिक और समापन प्रविष्टियाँ।
- परीक्षण संतुलन और त्रुटियों का सुधार।
- मूल्यह्रास, प्रावधान और आरक्षित निधियाँ।
- भागीदारी खाते।
- कंपनी खाते- शेयरों का निर्गमन, शेयरों की जब्ती और पुनः निर्गमन, शेयरों और ऋणपत्रों का मोचन।
- लेखांकन में कंप्यूटर।
- व्यवसाय संगठन- एकल, भागीदारी और संयुक्त स्टॉक कंपनी।
- प्रबंधन के सिद्धांत- अवधारणा, प्रकृति और महत्व।
- पूंजी बाजार और प्रकार- प्राथमिक और द्वितीयक बाजार।
- विपणन - अर्थ, कार्य और भूमिका।
- अर्थशास्त्र के लिए सांख्यिकी - केंद्रीय प्रवृत्ति के उपाय, फैलाव के उपाय और सूचकांक संख्याओं का परिचय।
- ग्रामीण विकास - प्रमुख मुद्दे।
- रोजगार - समस्याएँ और नीतियाँ।
- 1991 से आर्थिक सुधार दृ आवश्यकता और मुख्य विशेषताएँ - उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण।

भाग- II स्नातक स्तर

- वित्तीय विवरणः अर्थ और महत्व।
- वित्तीय विवरण विश्लेषण के लिए उपकरण।
- नकदी प्रवाह विवरण।
- लागत लेखांकन दृ अर्थ और परिभाषा।
- लागत के तत्व दृ सामग्री, श्रम और ओवरहेड।
- लेखा परीक्षा दृ अर्थ और उद्देश्य।
- भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 (धारा 1 से 75)।
- उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019।
- प्रबंधन के कार्य- नियोजन, संगठन, स्टाफिंग, निर्देशन और नियंत्रण।
- मानव संसाधनः अर्थ, दायरा, भूमिका और कार्य।

- उद्यमिता का अर्थ और प्रकृति।
- आर्थिक वातावरण- अर्थ, आर्थिक वातावरण को प्रभावित करने वाले कारक।
- भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी विशेषताएँ।
- नई आर्थिक नीतियाँ और इसके प्रभाव।
- भारत का विदेशी व्यापार- मात्रा, संरचना, दिशा और निर्यात संवर्धन।
- राष्ट्रीय आय- परिभाषा, माप, वितरण और आर्थिक कल्याण।

भाग- III स्नातकोत्तर स्तर

- प्रबंधन लेखांकन- अर्थ और कार्य।
- कार्यशील पूंजी प्रबंधन।
- पूंजी बजट।
- व्यावसायिक सांख्यिकी- संभाव्यता।
- उपभोक्ता व्यवहार और खरीद के उद्देश्य।
- विपणन अनुसंधान।
- विपणन में विज्ञापन की भूमिका।
- प्रबंधन में हाल के रुझान।
- मांग और मांग का पूर्वानुमान।
- सार्वजनिक वित्त- केंद्रीय बजट, घाटे का वित्त और राजकोषीय प्रबंधन।
- भारतीय बैंकिंग की समस्याएँ- केंद्रीय और वाणिज्यिक बैंकिंग प्रणाली, बैंकिंग क्षेत्र में सुधार।
- मौद्रिक और राजकोषीय नीतियाँ।

भाग- IV (शिक्षाशास्त्र, शिक्षण अधिगम सामग्री, शिक्षण अधिगम में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग)

I. शिक्षाशास्त्र और शिक्षण अधिगम सामग्री (किशोर शिक्षार्थियों के लिए निर्देशात्मक रणनीतियाँ)

- संचार कौशल और उसका उपयोग।
- शिक्षण मॉडल- उन्नत आयोजक, अवधारणा प्राप्ति, सूचना प्रसंस्करण, पूछताछ प्रशिक्षण।
- शिक्षण के दौरान शिक्षण-अधिगम सामग्री की तैयारी और उपयोग।
- सहकारी अधिगम।

II. शिक्षण अधिगम में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग

- आईसीटी, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की अवधारणा।
- सिस्टम दृष्टिकोण।
- कंप्यूटर सहायता प्राप्त अधिगम, कंप्यूटर सहायता प्राप्त निर्देश